

10/10/19

पकावली केस हुई उममपन के उममपन रूप
बहु हुनी गई पकावली वरुहे आवेश
दिनांक 30/10/19 को फेर ह

114

30-10-19

पकावली वाले कोषार्थ केस हुई उममपन के
अनिमपक उपलब्धता पकावली का अवलोकन
दिना उममपन की बहु पर मंगल दिना
अपीलांत की रूपील लीकर की जाती है
निर्जन प्राप्त है लिखवाना जवत दामिन
पकावली किता शक पालनार्थ तदीलदाद
छाउ को लिखा जावे पकावली केस शुका
देवत दाद तकमील दामिन दामिन



114
उपखण्ड अधिकारी
चौद न. सीकर

सत्यमेव जयते

Web Copy - Not Official

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी, धोद मु. सीकर जिला सीकर
पीठासीन अधिकारी- राजपाल यादव, आर.ए.एस.

नम्बर मुकदमा- अपील/50/2015

सोहनी पुत्री चोखा जाति जाट निवासिनी ग्राम नेतडवास तहसील धोद जिला-सीकर।

-अपीलांट

बनाम

1. संतोष पत्नी श्रवण
2. चैनाराम पुत्र श्रवण
समस्त जाति जाट निवासीगण ग्राम नेतडवास तहसील धोद जिला सीकर
3. उपपंजीयक, धोद तहसील धोद जिला सीकर
4. तहसीलदार, धोद तहसील धोद जिला सीकर
5. ग्राम पंचायत, नेतडवास पं.स. धोद जिला सीकर जरिये सरपंच

-रेस्पॉण्डेंट्स

अपील विरुद्ध आदेश ग्राम पंचायत नेतडवास पंचायत समिति धोद
नामान्तरकरण संख्या 171 दिनांकित 10.10.1997

उपस्थिति-

01. श्री बनवारीलाल बरवड़, वकील अपीलांट की ओर से
02. श्री भंवरलाल बिजारणियां, वकील रेस्पॉण्डेंट्स सं. 1 व 2 की ओर से

-आदेश-

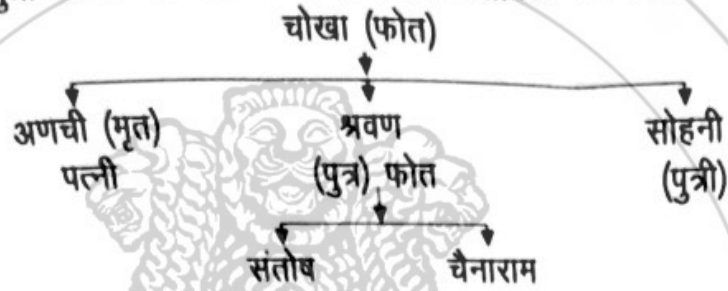
दिनांक- 30.10.2019

01. वकील अपीलांट की ओर से प्रस्तुत अपील के संक्षिप्त तथ्य इस प्रकार से है कि अपीलांट व रेस्पॉ संख्या 1 लगायत 2 के पूर्वज चोखा पुत्र भूरा के खाते, कब्जे, काश्त की पैतक कृषि भूमियां खसरा नम्बर 183 रकबा 3.12 है, खसरा नम्बर 221 रकबा 3.61 है, खसरा नम्बर 442 रकबा 0.05 है, खसरा नम्बर 443 रकबा 5.27 है, किता 4 कुल रकबा 12.05 है, वाके ग्राम नेतडवास तहसील धोद जिला सीकर में अवस्थित हैं, जिसमें अपीलांट के पिता चोखा का 1/2 हक हिस्सा था। उक्त भूमियां शुरू से ही चोखा जो अपीलांट का पिता था के खाते, कब्जे, काश्त में थी, उनकी मृत्यु के बाद ग्राम पंचायत नेतडवास द्वारा अपीलांट की माता व रेस्पॉ संख्या 1 लगायत 2 के नाम बिना किसी कब्जे व वासिसों की जांच किये नामां 171 गलत रूप से भर दिया गया। जिसकी जानकारी अपीलांट को पूर्व में नहीं हो पाई। अपीलांट दिनांक 25.08.2015 को पटवारी हल्का के पास गई तो उन्होंने कहा कि तुम्हारे नाम तुम्हारी भूमियों में खाता ही नहीं है। तुम्हारी भूमिया तो दूसरे के नाम हो रखी है। रेवेन्यू रिकार्ड की नकले दिनांक 02.09.2015 को प्राप्त करने पर उक्त गलत राजस्व रिकार्ड की जानकारी हुई। जानकारी के अभाव में हुआ विलम्ब क्षमा किये जाने योग्य है। इस सम्बन्ध में अलग से भी एक आवेदन अंतर्गत धारा 5 मियाद अधिनियम पेश किया जा रहा है। उक्त गलत नामांतरकरण की जानकारी से अपील यशाशीघ्र माननीय न्यायालय में प्रस्तुत की गई है। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा भरा गया नामां संख्या 171 दिनांक 10.10.1997 विरुद्ध कानून तथा पत्रावली है। अधीनस्थ ग्राम पंचायत ने उक्त



उपखण्ड अधिकारी
धोद मु. सीकर

नामांतरकरण तस्दीक करने से पूर्व पटवारी हल्का से व गिरदावर हल्का से सही जाच नहीं करवाई। केवल मात्र ग्राम पंचायत ने उक्त नामांतरकरण अपीलांट को छोड़कर राजनैतिक द्देषता के आधार पर भरा गया है, जो निरस्तनीय है। उक्त नामांतरकरण तस्दीक करते समय अधिनस्थ ग्राम पंचायत द्वारा केवल मात्र अपीलांट के पिता चोखा की विरासत अपीलांट की माता व उनकी पुत्रवधु संतोष तथा पौत्र चैनाराम के नाम से गलत रूप से भरी गई है, जबकि एक पुत्री भी थी जो अपीलांट है। जिनकी वंशावली निम्नलिखित है:-

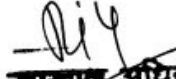


उक्त नामांतरकरण तस्दीक करने से पूर्व अधिनस्थ ग्राम पंचायत द्वारा न तो कोई कब्जे की जाच की गई तथा ना ही पूर्ण वारिसों की जाच की गई है तथा ना ही अपीलांट को कोई सूचना व सुनवाई व जवाबदेही का अवसर दिया गया है। अपीलांट दिनांक 25.08.2015 को अपने खेत में बैठी हुई थी तो रेस्पो0 संख्या 1 लगायत 2 अपने साथ तीन-चार अजनबी व्यक्तियों को वादग्रस्त भूमि पर लेकर आये तथा अपीलांट को उक्त भूमियो पर से बलात् बेदखल कर दीगर भूमाफियाओं को आगे बेचान करने की धमकियां दी जिस पर अपीलांट ने हो हल्ला किया तो मौके पर दीगर पडोसी भागकर आये तथा उन्हे समझा बुझाकर बिदार किया, परन्तु जाते जाते उन्होने यह एलानियां धमकिया दी कि आज तो तुम्हें इन लोगों ने छुड़वा दिया है, परन्तु फिर जब भी मौका मिलेगा तो हम तुम्हारी भूमियो को दीगर भूमाफियाओं को जबरन विक्रय करके उनका कब्जा करवा कर ही दम लेंगे। रेस्पो0 संख्या 1 लगायत 2 की उपर्युक्त कुचेष्टाओं से बाज रहने हेतु उन्हे जरिये अस्थाई निषेधाज्ञा से प्रतिबंधित किया जाना उचित, आवश्यक एवं न्याय संगत है। अपील माननीय न्यायालय के श्रवणाधिकार एवम क्षेत्राधिकार में होने के कारण उचित न्याय शुल्क पर सादर प्रस्तुत है। अतः अपील अपीलांट की ओर से प्रस्तुत कर निवेदन है कि अपील अपीलांट स्वीकार की जाकर विद्वान अधिनस्थ ग्राम पंचायत नेतडवास पं0स0 धोद द्वारा भरा गया नामांतरकरण संख्या 171 दिनांक 10.10.1997 निरस्त किया जावे।

02. आवेदन पेश होने पर दर्ज रजिस्टर किया गया। रेस्पोंडेंट्स अप्रार्थीगण को जरिये नोटिस तलब किया गया। रेस्पोंडेंट्स सं. 3 ता 5 बावजूद तामील अनुपस्थित रहने पर इनके खिलाफ एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई गई। रेस्पोंडेंट्स सं. 1 व 2 की ओर से अभिभाषक श्री भंवरलाल बिजारगिया उपस्थित हुए, लेकिन जवाब पेश नहीं किया।

03. उभयपक्ष की बहस सुनी गई। वकील अपीलांट ने प्रार्थना-पत्र के तथ्यों को ही बहस में दोहराया तथा बहस के दौरान कथन किया कि पैतृक सम्पति पर मियाद का बिंदु लागू नहीं होता है। अतः अपील स्वीकार की जावे। इसके विपरीत वकील रेस्पोंडेंट्स सं. 1 व 2 ने बहस के दौरान कथन किया कि नामान्तरकरण को 22 वर्ष बाद चुनौती दी गई है। 22 वर्षों की देरी का कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया। अतः लिमिटेशन के बिंदु पर ही अपील को खारिज किया जावे।




 उपसंचालक अधिकारी
 धोद मु. सीकर

